संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निःशस्त्रीकरण संबंधी उपबंध इस प्रकार है-

(i) अनुच्छेद 11 के अंतर्गत 'अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बरकरार रखने के निमित्त सहयोग के सामान्य सिद्धान्तों जिनमें निःशस्त्रीकरण के नियंत्रण तथा शस्त्रीकरण के विनियमन वाले सिद्धांत शामिल है।' अतः सदस्यों या सुरक्षा परिषद या दोनों को ऐसे सिद्धांतों के संदर्भ में अनुशंसा कर सकती है।

(ii) अनु. 26 के अंतर्गत सुरक्षा परिषद को अधिकार दिया गया है कि वह शस्त्रों को नियंत्रित करने वाली योजनाएँ प्रस्तुत करे। सैद्धान्तिक इसके लिए भी सुरक्षा परिषद जिम्मेदार होगी। वह अपने प्रयत्नों से विश्व के मानवीय और आर्थिक साधनों को कम से कम शस्त्रास्त्रों की ओर मोड़ने के प्रयत्नों के साथ अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा की स्थापना करने के लिए और बनाए रखने हेतु शस्त्रास्त्रों के विनियमन की व्यवस्था के लिये सदस्यों के सामने रखी जाने वाली योजना बनाने के लिए सुरक्षा परिषद जिम्मेदार होगी।

(iii) अनु. 47 के अनुसार सैनिक स्टाफ समिति की सहायता से ऐसी योजनाओं को रखे। जिससे संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों के सामने एक विजन स्पष्ट हो सके। साथ ही इससे शस्त्र-नियंत्रण की एक पद्धति स्थापित होने से यह सुरक्षा परिषद को उन विषयों पर परामर्श तथा सहायता ~~करना~~ प्राप्त होगी।

(iv) अनु. 43 के अनुसार संयुक्त राष्ट्र को सैन्य शक्ति प्रदान करके सुरक्षा कायम रखने एवं शस्त्रों के निर्माण का आकांक्षी है।

(v) सैन्य सुरक्षा परिषद सैन्य स्टाफ समिति की मदद से ऐसी सेनाएँ बनाए जिससे मनुष्य के आर्थिक साधनों का उपयोग शस्त्र निर्माण में कम से कम हो। इससे शस्त्रों के निर्माण की समुचित व्यवस्था हो सकेगी।

(निरन्तर...)

Scanned with CamScanner

• M.A. IInd Sem
• Dr. Virendra Chauhan

<संयुक्त राष्ट्र और निःशस्त्रीकरण>
<The United Nations and Disarmament>

प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद राष्ट्र संघ की स्थापना के साथ इसके विधान में निःशस्त्रीकरण को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया और इसका एक अध्याय रखा गया। इसी प्रकार द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में भी निःशस्त्रीकरण का प्रावधान रखा गया।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के समय से ही उसने अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बनाए रखने के प्रयास में जुट गया। लेकिन राष्ट्रसंघ के अंतर्गत इसके नेतृत्व में किए जाने वाले निःशस्त्रीकरण से संबंधित प्रयासों के मुकाबले संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में किए जाने वाले कार्य अधिक व्यावहारिकता दिखाई।

द्वितीय विश्वयुद्ध में परमाणु शस्त्रों के निर्माण और उसके प्रयोग ने युद्ध के स्तर और रणनीति को भी बदल दिया। युद्ध और परमाणु हथियार, दोनों ही एवं अन्य अस्त्र शस्त्र ये सभी मानवता के विनाश में सहायक है।

निःशस्त्रीकरण मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय भी प्रयासरत है। यह निःशस्त्रीकरण के वैश्विक मानदंडों को बढ़ावा देने और बड़े पैमाने पर विनाश और पारम्परिक हथियारों और हथियारों के व्यापार से निपटने के प्रयासों की देखरेख द्वारा निर्देशित है। यह कार्यालय परमाणु निःशस्त्रीकरण और अप्रसार को बढ़ावा देता है, सामूहिक विनाश के अन्य हथियारों और रासायनिक और जैविक हथियारों के संबंध में निःशस्त्रीकरण व्यवस्था को मजबूत करता है, और पारंपरिक हथियारों, विशेषकर से बारूदी सुरंगों और छोटे हथियारों के क्षेत्र में निःशस्त्रीकरण के प्रयास, जारी है।

Scanned with CamScanner